नई दिल्ली। अमेरिका के टेक्सास स्थित साउथ वेस्टर्न अमेरिकन यूनिवर्सिटी द्वारा राजस्थान के भीनमाल सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु. गीता बहन को काउंसलिंग एवं स्पीरिचुअल हेल्थ की कैटेगरी में 'डॉक्टरेट' की मानद उपाधि से नई दिल्ली के फाइव स्टार मेरेडियन होटल में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। इस मौके पर अमेरिकन यूनिवर्सिटी के चांसलर, प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर अभिषेक बच्चन, टीवी कलाकार सुरेंद्र पाल सिंह,महाभारत सीरियल के द्रोणाचार्य, सिमरन आहूजा, दिल्ली आप पार्टी के राजनेता सोमनाथ भारती, एक्टर शशिकांत जी,जूनियर बिग बी, दिल्ली बीजेपी युवा नेता सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

यू.के.-वेम्बली। यू.के. की क्वीन एलीजाबेथ 2 की प्लैटिनम जुबली के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज़ के इनर स्पेस सेंटर पर आयोजित 'विज़न ऑफ द फ्यूचर-होप, हीलिंग एंड हैप्पीनेस' कार्यक्रम के दौरान समूह चित्र में बायें से रब्बी जेफ बर्जर,वेम्बली सेफार्डी सिनागोग, ब्र.कु. दक्षा बहन, द राइट रेवेरेन्ड जॉन शेरिंगटन, ब्रह्माकुमारीज़ की अति. मुख्य प्रशासिका एवं यूरोप स्थित सेवाकेन्द्रों की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी, ब्रेंट मेयर काउंसलर अब्दी अदेन, मिस मेई सिम लाई,ओबे डीएल, काउंसिल केतन सेठ,वेम्बली सेंट्रल वार्ड, ब्र.कु. निधि बहन तथा फिलिप्पा ब्लैखम। इस अवसर पर वेस्टमिन्स्टर के सहायक बिशप इमाम मोनावर हुसैन,एमबीई डीएल सहित पचास लोग उपस्थित रहे तथा 200 लोगों ने ऑनलाइन कार्यक्रम का लाभ लिया।

थाईलैंड-बैंकॉक। प्राचीन राजयोग के प्रचार और प्रसार के लिए डल्स यूनिवर्सिटी द्वारा बैंकॉक के बर्कले होटल में आयोजित दीक्षांत समारोह में डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके को डॉ. मोहम्मद फहीम,थम्मासैट विश्वविद्यालय,बैंकॉक, डॉ. मारिसा फेकवामदी,कार्यकारी उपाध्यक्ष फिलिप कैपिटल,थाईलैंड, बायिन्ज़ा एडम लुज़िंदाना,कम्पाला,युगांडा तथा डॉ. रिपु रंजन सिन्हा,प्रो वाइस चांसलर एशिया कॉमनवेल्थ वोकेशनल यूनिवर्सिटी ने आध्यात्मिकता में 'डी लिट' प्रदान किया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ के सुखमवित सेवाकेन्द्र बैंकॉक,थाईलैंड के कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. कैलाश भाई तथा ब्र.कु. शांता बहन उपस्थित रहे।

ब्र.कु. शिवानी, जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा

स्वयं को पोषित करते रहें

परमात्मा एक बहुत सुन्दर शब्द हमें देते हैं कि छुई-मुई नहीं बनना है। जिसको टच करते ही वो मुरझा जाता है। ऐसे पत्ते भी होते हैं जिन्हें 'टच मी नॉट'भी बोलते हैं। तो परमात्मा कहते हैं कि आपकी जीवन भी ऐसी हो गई है थोड़ा-सा भी किसी ने कुछ आकर कहा, कोई बात आपके अनुसार नहीं हुई, कोई व्यक्ति ने कुछ कहा जो आपको पसंद नहीं आया, आप मुरझा जाते हैं। और जब आप मुरझा जाते हैं क्या हमें अपना ध्यान नहीं रखना! मुझे खुद को खुद ही नरिश(पोषण, खाद डालना) करना है। ताकि मैं सारा दिन फूल की तरह खिला रहूँ।

सुरेश ओबेरॉय - सिस्टर, एक बार दादी गुल्ज़ार आईं थी। मैं मिलने गया था सेन्टर पर तो मैं हमेशा ज़्यादा सोचता ही रहता था। तो दादी गुल्ज़ार ने कहा कि तुम्हारे चेहरे पर थोड़ा-सा ना मुस्कुराहट रखा करो, और हमेशा एक गुलाब का फूल हाथ में लेकर रखा करो और उसको देखते रहना। जैसे गुलाब का फूल खिला रहता है वैसे तुम भी खिले रहना और मुस्कुराते रहना। और मैं क्या एक्सपेक्ट कर रहा था कि दादी गुल्ज़ार जी कोई एक बहुत बड़ा मंत्र देंगे। अब आपसे बात करते हुए समझ में आ रहा है कि इससे बड़ा मंत्र और क्या हो सकता है!

सिस्टर शिवानी - कितनी अच्छी लाइन है कि एक खिले हुए गुलाब की तरह खिले रहो। देखिए एक खिला हुआ गुलाब खुशबू देता है, मुस्कुराहट देता है।अलग अलग मौकों पर फूल यूज़ किए जा रहे हैं। एक गुलाब का फूल एक फंक्शन के लिए भी है, एक गुलाब का फूल कहीं डेड बॉडी पड़ी है उसपर भी है। मतलब खुशी के मौके पर भी है और दर्द के मौके पर भी। सुख के मौके पर भी है, दुःख के मौके पर भी। जीत में भी गले में हार, मृत्यु में भी। लेकिन गुलाब का फूल कैसा है दोनों परिस्थितियों में! फूल में कोई बदलाव नहीं होता। वो चारों तरफ अपनी ब्यूटी को, अपनी खुशबू को बिखेरता है। फूल को देखते ही मुस्कुराहट आ जाती है। मतलब हमसे मिलते ही औरों को भी क्या मिल जाये! खुशी।

सुरेश ओबेरॉय - ये बात तो यहाँ तक समझ आ गई कि गुलाब की तरह अपने आपको यानी सॉल को नरिश करना है। और गुलाब की तरह हर परिस्थिति में मुस्कुराना है। औरों को भी खुश करना है। लेकिन नरिश कैसे करना है?

सिस्टर शिवानी - आप पेड़-पौधों को नरिश कैसे करते हैं?

सुरेश ओबेरॉय - पानी डालता हूँ।

सिस्टर शिवानी - शरीर को नरिश कैसे करते हैं?

सुरेश ओबेरॉय - खाना खिलाता हूँ, पानी पिलाता हूँ।

सिस्टर शिवानी - आत्मा को रोज़ क्या देते हैं नरिश करने के लिए?

सुरेश ओबेरॉय - कभी सोचा ही नहीं ना।

सिस्टर शिवानी - जो ये आत्मा अब इस शरीर को भी चलाने वाली है। ये आत्मा कितना कुछ कर रही है सारा दिन। आप सोचते हैं, सोचने के बाद निर्णय लेते हैं और फिर निर्णय लेकर इस शरीर के थ्रू कर्म करते हैं। तो इस शरीर को ऑपरेट करने वाली वो शक्ति, मैं आत्मा। मेरी पहली ज़िम्मेदारी मेरे इस शरीर को चलाना और दूसरी चाहे आप बाहर जा रहे हैं, एक्टिंग कर रहे हैं कोई भी प्रोफेशन में हैं, करने वाला कौन? आत्मा। जो सोचती है, कोई भी काम करने से पहले सोचना है हमें, निर्णय लेना है और फिर वो कर्म करना है। ये तीनों चीज़ें करने वाला कौन? आत्मा।

हम कोई भी कर्म बिना सोचे नहीं कर सकते। एक सोच चलेगी तब वो आगे काम होगा। तो इसका मतलब हर काम में छोटे से बड़े करने वाला कौन? मैं आत्मा। अब हमने कहा कि सारा दिन हमें काम करना है, धन कमाना है। पॉवर कमा रहे हैं, नेम-फेम ये सबकुछ कमा रहे हैं। ये सब कमाने वाला कौन? मैं आत्मा। कौन-सी चीज़ है जो मैं नहीं कर रही। मैं के बिना तो आप मर ही जाते हैं ना! जब वो मैं निकल गई, मैं आत्मा निकल गई तो ये शरीर कुछ नहीं कर सकता। जब ये शरीर कुछ नहीं कर सकता तो ज़िम्मेदारियां खत्म। बच्चे वहाँ हैं लेकिन आप उनका कुछ नहीं कर सकते। क्योंकि मैं आत्मा इस शरीर से निकल गई। तो सारा दिन सबकुछ करने वाला कौन? मैं।

पेड़ पानी के बिना नहीं रह सकता, गाड़ी पेट्रोल के बिना चल नहीं सकती, मोबाइल चार्ज किए बिना चल नहीं सकता। शरीर खाने बिना नहीं चल सकता लेकिन मैं आत्मा चलती ही जा रही हूँ, करती ही जा रही हूँ लेकिन अब हमें उसका रिज़ल्ट दिखाई दे रहा है। हम मुरझा जाते हैं, छोटी-छोटी बातों में नाराज़, उदास हो जाते हैं। इसको आत्मा का मुरझाना कहेंगे। इसे हम आत्मा की कमज़ोरी कहेंगे। लेकिन आत्मा कमज़ोर कब कहेंगे? जब हम नरिश नहीं हैं। हमने बहुत-बहुत सालों से या फिर शायद कई जन्मों से आत्मा का नर्चर(पोषण) नहीं किया है। अगर हम पौधे के ऊपर प्युअर पानी की जगह कोई गलत चीज़ डाल दें तो वो मर जायेगा। इसी तरह हम आत्मा पर हेल्दी चीज़ से उसे नर्चर करने की बजाय अगर कोई ऐसी चीज़ें डालना शुरू कर दें जो उसके लिए सही नहीं है तो उसका भी रिज़ल्ट दिखाई देने वाला है। हमें नहीं मालूम था कि आत्मा को नर्चर करना है तो भी जीवन चल रही थी। लेकिन अब हमें मालूम हो चुका है कि आत्मा को नर्चर कैसे किया जाता है तो अब भी अगर नहीं करेंगे तो कब करेंगे!

पटना-बिहार। स्वास्थ्य राज्यमंत्री मंगल पांडे को माउण्ट आबू में होने वाले 46वें माइंड-बॉडी मेडिसिन कॉन्फ्रेन्स का निमंत्रण देने एवं शॉल पहनाकर सम्मानित करने के पश्चात् उपस्थित हैं डॉ. बनारसी लाल शाह,सचिव,मेडिकल विंग ब्रह्माकुमारीज़। साथ हैं ब्र.कु. संगीता बहन,कंकड़बाग सेवाकेन्द्र संचालिका।

दौसा-राज.। सुपरिंटेंडेंट कमिश्नर एस.पी. संजीव नेन को ईश्वरीय संदेश देने के पश्चात् ईश्वरीय साहित्य एवं प्रसाद भेंट करते हुए ब्र.कु. शीतल बहन व अन्य बहनें।

दिल्ली-लोधी रोड। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा एनएचआईडीसीएल,सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय,भारत सरकार के राष्ट्रीय कार्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित 'करो योग रहो निरोग' विषयक संगोष्ठी को ब्र.कु. पीयूष भाई एवं ब्र.कु. गिरिजा बहन ने सम्बोधित किया। इस मौके पर राम अवतार यादव,महाप्रबंधक,विधि, अनिल कुमार झा,महाप्रबंधक,तकनीकी, राम स्वरूप पुरी,महाप्रबंधक,तकनीकी, एसपी सनवाल,उप महाप्रबंधक,प्रशासन सहित अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

हसनपुर-हरियाणा। 'कल्प तरू' परियोजना के तहत सेवाकेन्द्र पर आयोजित कार्यक्रम में सभी भाई-बहनों को पौधा वितरित करने के पश्चात् चित्र में साथ हैं ब्र.कु. इंदिरा बहन, ब्र.कु. सपना बहन तथा ब्र.कु. सुखदेवी बहन।

नई दिल्ली-एम.पी.चौक। ब्रह्माकुमारीज़ के विक्रांत एन्क्लेव सेवाकेन्द्र पर बच्चों के समर कैम्प के समापन समारोह में बच्चों को सर्टिफिकेट एवं पुरस्कार वितरण करने के पश्चात् समूह चित्र में सुरेंद्र सेतिया,क्षेत्रीय निगम पार्षद, मोनिका ढींगरा,आर.डब्ल्यू.ए. प्रेजिडेंट, गुरबख्श जी,जनरल सेक्रेट्री ऑफ आर.डब्ल्यू.ए., ब्र.कु. दीपा बहन, ब्र.कु. कृपा बहन, ब्र.कु. डॉ. पवन भाई तथा अन्य।

अलीगढ़-उ.प्र.। अलीगढ़ जेल में कैदियों के लिए आयोजित व्यसनमुक्ति कार्यक्रम में वरिष्ठ जेल अधीक्षक बिजेंद्र सिंह यादव, जेलर प्रमोद कुमार सिंह व फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर अरविंद सिंह को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. कमलेश बहन।

बरेली-सिविल लाइंस(उ.प्र.)। आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत खुशलोक अस्पताल में कोरोना योद्धा चिकित्सकों एवं नर्सेस का सम्मान करने के पश्चात् समूह चित्र में डॉ. मुक्ता पागरानी, ब्र.कु. पार्वती बहन व ब्र.कु. नीता बहन।